

राजस्थान सरकार
राजस्व विभाग

क्रमांक:- प.६१४/राज-८/९५/४

जयपुर, दिनांक:- १७-३-९९

-: अधिसूचना :-

=====

राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, १९५६ व राजस्थान अधिनियम संख्या-१५ सम १९५६ की धारा २६० की उप-धारा ११ के छण्ड वृष्णि द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुस राज्य सरकार स्तद द्वारा निर्देश देती है कि उक्त अधिनियम के अध्याय-१० के अधीन तथा राजस्थान भू-राजस्व व पेमन्टस, ब्रेडिट, रिफंडस सवं रिकवरी व नियम, १९५८ के अधीन क्लैक्टर पर अधिरोपित कर्तव्यों तथा शक्तियों का प्रयोग वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा अधिसूचित समस्त नियमित वृत्तों में नियुक्त सहायक आयुक्त/वाणिज्यिक कर अधिकारियों तथा स्वतंत्र मुछ्यालयों पर स्थित वृत्त में नियुक्त समस्त सहायक वाणिज्यिक पर अधिकारियों द्वारा उनके खेत्राधिकार के भीतर राजस्थान मनोरंजन सवं विज्ञापन कर अधिनियम, १९५७ व १९५७ का अधिनियम संख्या-२४ के अधीन सभी प्रकार की बकाया सवं शास्ति के संबंध में किया जाएगा।

राज्यपाल के अदेश से,

राज्य विधित व

शासन उप सचिव

प्रतीकारिय:- निम्नलिखित दो सूचनाएँ प्रेषित हैं:-

१. नियमी सचिव, मुख्यमंत्री महोद/राजस्व मंत्री महोद/मुख्य सचिव/प्रमुख शासन सचिव, राजस्व / आयुक्त, वाणिज्य कर विभाग।
२. समस्त राज्यागीय आयुक्त, राजस्थान
३. समस्त जिला क्लैक्टर, राजस्थान।
४. निबन्धक, राजस्व मण्डल, अजमेर।
५. निदेशक, राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर को राजपत्र प्रेषणांक दिनांक १७-३-९९ में प्रकाशनार्थ।
६. "रापिरो" राजस्व मण्डल, अजमेर।
७. निदेशक, जनसमर्क निदेशालय, जयपुर।
८. उप-निबन्धक वित्त सचिव तेजा राजस्व मण्डल, अजमेर।
९. विधित कर विभाग।
१०. रीक्षत पत्रालय।

शासन उप सचिव

नोट/